



## शब्दार्थ एवं टिप्पणी

**सहचर** – साथ चलने या रहने वाला, साथी, अनुचर, सेवक

**दुरभिसंधि** – बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा, कुचक्र

**गेटे** – विश्वविख्यात जर्मन कवि, उपन्यासकार, नाटककार, दार्शनिक एवं कूटनीतिज्ञ

**अभिभूत** – वश में किया हुआ, आक्रांत, पीड़ित, पराजित

**यंत्रणा** – यातना, पीड़ा, क्लेश

**हैरतअंगेज** – विस्मयजनक

**दंतकथा** – किवदंती, जनश्रुति

**मिथक** – प्राचीन पुराकथाओं का तत्व जो नवीन स्थितियों में नए अर्थ का वहन करे

**भग्नावशेष** – खंडहर

**भित्तिचित्र** – दीवार पर बना हुआ चित्र

**अभिलिखित** – लिखा या खोदा हुआ, नियमित रूप से लिखकर सुरक्षित रखा हुआ, अभिलेख के रूप में लाया हुआ

**भाष्यकार** – मूल ग्रंथ की व्याख्या करने वाला, भाष्य लिखनेवाला

**सामंजस्य** – संगति, अनुकूलता, विषमता न होना, मेल

**शाश्वत** – नित्य, निरंतर, सतत, स्थायी

**निरंतरता** – लगातार, बराबर, सर्वदा

**विलक्षणता** – अलौकिक, असाधारण, भिन्न चिह्नों वाला, जिसमें कोई विशेष लक्षण न हो, वह अवस्था जिसका कोई कारण न हो

**सार्थक** – अर्थपूर्ण, उपयोगी, लाभदायक, महत्वपूर्ण

**अनिष्टकर** – हानिकारक

**पुरागाथा** – प्राचीन प्रशंसा गीत या कथाएँ

**सीमांत** – सीमावर्ती स्थान

**मानकीकरण** – किसी वस्तु के उत्पादन, निर्माण आदि का ऐसा रूप स्थिर करना जिससे उसकी अच्छाई या शुद्धता आदि के संबंध में संदेह की जगह न रह जाए

**अवयव** – शरीर या शरीर का कोई भाग (हाथ-पाँव आदि), अंग

**अवसाद** – सुस्ती, शिथिलता, उदासी

**उद्घाटित** – खोला, उघाड़ा हुआ

**नवागंतुक** – नया अतिथि, अजनबी



**कबीले** – कुल, वंश, जंगली आदमियों का व्यक्ति विशेष को नेता या सरदार मानने वाला समूह

**मैक्समूलर** – जर्मनी में जन्मे प्राच्य विधा विशेषज्ञ जिसने प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथों के अनुवाद-संपादन का कार्य किया

**हर्षोन्माद** – हर्ष में सुध-बुध खो देना

**भौतिकवाद** – (मैटीरियलिज़्म) पंचभूत निर्मित यह संसार ही सत्य है—यह सिद्धांत प्रतिपादित करने वाला मत

**अवेस्ता** – फ़ारसी भाषा में इसका अर्थ 'प्रार्थना' है। अवेस्ता जरथुष्ट्र धर्म की प्राथमिक रचना है

**ब्राह्मी** – वह प्राचीन लिपि जिससे देवनागरी और अन्य आधुनिक भारतीय लिपियों की उत्पत्ति हुई

**खरोष्ठी** (खरोष्ठी) – एक प्राचीन लिपि जो फ़ारसी की तरह दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी और मौर्यकाल में पश्चिमोत्तर भारत में चलती थी।

**पर्सिपोलिस** – प्राचीन काल के शक्तिशाली पारसिक साम्राज्य की राजधानी जो आधुनिक ईरान में स्थित है

**एच. जी. वेल्स** – विज्ञान-कथा उपन्यासों के प्रसिद्ध अंग्रेज़ लेखक। इन्हें ऐसे उपन्यासों का पिता भी कहा जाता है।

**ऑक्सस** (अक्षु) नदी – अमूदरिया के नाम से भी प्रसिद्ध यह नदी दक्षिण-पश्चिम एशिया

की सबसे लंबी नदी है। यह नदी अफ़ग़ानिस्तान, तज़ाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान व उज़बेकिस्तान जैसे देशों में बहती है।

**यूइ-चियों** – यूची मध्य एशिया के हरित मैदानों के खानाबदोश लोग थे जो चीन के पड़ोस में रहते थे। भारत में शासन करने वाले कुषाण यूइ-चियों के ही एक कुल से संबंधित थे।

**जरथुष्ट्र धर्म** – इसे पारसी धर्म के नाम से भी जाना जाता है। ईरान में उद्भूत इस धर्म के पैगंबर जरथुष्ट्र थे।

**गोबी रेगिस्तान** – एशिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान जो चीन और मंगोलिया में फैला हुआ है।

**जावा और बाली** – जावा और बाली इंडोनेशिया के द्वीप हैं। जावा में प्राचीन काल में हिंदू राज्य था। बाली भी हिंदू संस्कृति का केंद्र था।

**अंगकोर और बोरोबुदुर** – कम्पूचिया में अंगकोरवाट का हिंदू मन्दिर और बोरोबुदुर में विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध मंदिर है। ये दक्षिण-पूर्व एशिया पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव के सुंदर उदाहरण हैं।

**मलय प्रायद्वीप** – (मलाया) बर्मा के दक्षिण में स्थित एक प्रायद्वीप

**चंपा** – आधुनिक उत्तरी वियतनाम की सीमा-पट्टी सहित दक्षिणी वियतनाम में प्राचीन काल में चंपा राज्य था। चंपा का राजा शैव था और वहाँ की राजकीय भाषा संस्कृत थी।



**श्रीविजय**— श्रीविजय राज्य दक्षिण-पूर्व एशिया का प्राचीन काल का महत्वपूर्ण राज्य था। इसमें मलय प्रायद्वीप, जावा, सुमात्रा भी शामिल थे।

**निरभ्र** — जिसमें बादल न हों, मेघ रहित

**आसव** — मद्य, रस, पुष्परस, फलादि के खमीर से तैयार किया हुआ अर्क

**भस्म** — चिता की राख, दवा के काम के लिए फूँकी हुई धातु आदि

**हार्वे** — विलियम हार्वे ब्रिटिश चिकित्साशास्त्री और शरीर क्रिया वैज्ञानिक थे। इनकी रुधिर परिसंचरण की खोज ने चिकित्साशास्त्र को नया आयाम दिया।

**भेषज** — दवा, उपचार, आरोग्य लाभ कराने वाला

**खगोलशास्त्र** — आकाशीय नक्षत्रों, ग्रहों आदि का वर्णन करने वाला विज्ञान

**राष्ट्रकूट** — क्षत्रिय राजवंश, राठौर

**गाथिक कला (यूरोप)** — स्थापत्य कला की एक शैली जिसका उद्गम 12वीं सदी के मध्य फ्रांस में हुआ और 16वीं सदी के मध्य तक पश्चिमी यूरोप में विद्यमान थी।

**अधिराज** — सम्राट

**कुस्तुनिया** — मध्यकाल में तुर्की साम्राज्य की राजधानी

**रोम्यां रोला** — प्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक और नाटककार, महात्मा गांधी के जीवनी लेखक

**सर्वग्रासी** — सब खा जाने वाला, खग्रास ग्रहण

**सर्वव्यापी** — सर्वव्यापक, सभी जगह व्याप्त

**ऊर्जा** — बल, कार्य करने की क्षमता, उत्साह

**आह्वान** — पुकारना, बुलाना, ललकार

**अल्पसंख्यक** — कम जनसंख्या वाला (समुदाय)

**अभिशाप** — शाप, किसी का बुरा मनाना, लांछन, मिथ्या आरोप, बुराई

**निष्क्रिय** — कोई काम-धाम न करने वाला, जो कुछ भी न करे-धरे, जिसमें या जिससे कार्य या व्यापार न हो, क्रियारहित

**निवृत्तिमार्गी** — मोक्ष या मुक्ति के मार्ग पर चलने वाला

**विरासत** — उत्तराधिकार में मिलनेवाला माल

**सविनय अवज्ञा आंदोलन** — अन्यायपूर्ण सरकारी कानून की नम्रतापूर्वक अवमानना के लिए आंदोलन

**संरक्षण** — रक्षा करने की क्रिया, हिफाजत

**मित्र शक्तियाँ** — द्वितीय विश्वयुद्ध में धुरी-राष्ट्रों के विरुद्ध लड़ने वाले देशों का समूह। ब्रिटेन फ्रांस, सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका इस समूह के बड़े देश थे।

**कायाकल्प** — शरीर का नया या जवान हो जाना, चोला बदल जाना

**लंगरगाह** — लंगर करने, जहाजों के ठहरने का स्थान

**कुंठित** — कुंद या भोथरा किया हुआ, निराश